

ADMISSION 2026

**DADA LAKSHMI CHAND STATE UNIVERSITY
OF PERFORMING & VISUAL ARTS, ROHTAK**
(A State University Established Under Haryana Act. No. 24 of 2014)

UG & PG PROGRAMMES

Faculty of Design

Faculty of Visual Arts

Faculty of Film & Television

Faculty of Planning & Architecture

LAST DATE TO APPLY : 26.06.2026 for UG | 10.07.2026 for PG

Scan QR Code

f i y t i

For online application & other details, please refer to the University Website : www.dlcsupva.ac.in

E-mail : admission@dlcsupva.ac.in | Ph. 01262-242744

आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रसिद्ध प्राचीन लोक कला को संक्षिप्त रूप से साथ-साथ युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल तथा महानिदेशक के.एम. पांडुरंग मार्गदर्शन में प्रदेश के विभिन्न संकलों में सांझी 2 से 4 जून तक कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। कार्यशालाओं में महिलाएं और लैंग्गैलेखक सांझी कला के विभिन्न स्वरूपों को सीखेंगी तथा अपने रचनात्मक प्रतीति का प्रदर्शन करे हूँ सांझी का निर्माण करेंगी। प्रवक्तृ ने बताया कि सांझी केवल एक कला नहीं, बल्कि प्रशंसी लोक संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

चुरू में तेज आंधी का
कहर

राजस्थान में रेत का बवंडर, आसमान पीले रंग में रंग गया



एजेंसी ►► चुरू

राजस्थान के चुरू जिले में शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली है। चुरू शहर के साथ-साथ तारानगर क्षेत्र और मेहरी गांव समेत आसपास के इलाकों में तेज हवाओं

के साथ धूल का गुबार छा गया। हवा की रफ्तार बने कुछ ही देर में आसमान धूल की परत से ढंक गया। कई स्थानों पर धूल घरों और दुकानों के भीतर तक पहुंच गई। लोगों को कुछ समय के लिए आवाजाही में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कई जिलों में दिन के समय भी अंधेरा हो गया

श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में धूल और रेत का जबरदस्त बवंडर देखने को मिला। आसमान में धूल छाने से दिन के समय भी अंधेरा महसूस हुआ। सड़कों पर चल रहे वाहनों को हेडलाइट का सहारा लेना पड़। बवंडर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी चलने की आशंका है। इसके अलावा कुछ इलाकों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना व्यक्त की है।

उधर, नोएडा में धूल मरी आंधी, दिल्ली-हरियाणा में झमाझम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी के बीच शनिवार दोपहर को मौसम का मिजाज बदल गया। हरियाणा के सोनीपत और गुरुग्राम में तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बताया गया कि दोपहर को आसमान में बादल छाए और धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से तापमान में गिरावट आई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजधानी दिल्ली और नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है।

खबर संक्षेप

सीआईएसएफ के जिम्मे विदेश मंत्रालय की सुरक्षा नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की इस सप्ताह सुषमा स्वराज भवन स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में औपचारिक तैनाती कर दी गई है। 90 कर्मियों की स्वीकृत संख्या के साथ सीआईएसएफ ने परिसर में सुरक्षा कर्तव्यों का प्रभार संभाला है।

पद्मनाभस्वामी मंदिर में होगा डिजिटल रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम। त्रावणकोर देवस्वाम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष के. जयकुमार ने कहा है कि बोर्ड अपने प्रशासन के अधीन मंदिरों में मौजूद मूल्यवान वस्तुओं, परिसंपत्तियों और अन्य लेन-देन का जायजा लेने की योजना बना रहा है। खातों को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड और संग्रहीत किया जाएगा ताकि उनमें छेड़छाड़ न की जा सके।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा।। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वर्ष के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयाँ आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर वर्ण के वाद-विवाद से बचें।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा।। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

आरोप...अब सीयूईटी को लेकर राहुल ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज

दावे विश्वगुरु के, एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सकते, किसे ‘बचाया’ जा रहा?

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राहुल ने 'एक्स' पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। 4 परीक्षाएं। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं।

नीट, सीबीएसई समेत कई परीक्षाओं में लापरवाही की गई



देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से नहीं हुई

प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। राहुल ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

वे किसे बचा रहे हैं, और क्यों? न्यायिक जांच की जाए

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा ने उन पर जमकर हमला बोला। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

परीक्षाएं कराने में विफल रही सरकार

राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी से जुड़े विवादों का हवाला देते हुए बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलता से आयोजित करने में विफल रही है। मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। जिस पीढ़ी का भविष्य आप तबाह कर रहे हैं।

ऐसे बयान गैरजिम्मेदाराना: शेखावत



केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल के बयान को 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, उनके बयान दिखाते हैं कि वे युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कितनी गैर-जिम्मेदारी से देखते हैं।

इसलिए गंभीरता से नहीं लिया जाता: मालवीय

भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी राहुल पर निशाना साधा।



उन्होंने कहा कि यह कहना कि प्रधानमंत्री ने नीट पेपर लीक की व्यक्तिगत निगरानी की, पूरी तरह बेतुका, चींकाने वाला और तर्क से परे है। मालवीय ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर राहुल को गंभीरता से न लिए जाने की यही वजह है।

इश्यू को न पढ़ पा रहे न समझ: सुधांशु

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल की समस्या है



कि पहले वह 'इश्यू' को समझ नहीं पाते थे और अब 'इश्यू' शब्द नहीं पढ़ते हैं। त्रिवेदी ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी सिर्फ 'पेपर लीक' पढ़ते हैं, 'इश्यू' शब्द नहीं पढ़ते। इससे साफ है कि वे बिना पूरी बात समझे बयान दे रहे हैं।

दिल्ली के साकेत इलाके में पांच मंजिला बिल्डिंग गिरी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार शाम पांच मंजिला बिल्डिंग गिर गई। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल किसी के मरने की खबर नहीं है।

कई लोगों के दबे होने की आशंका, राहत और बचाव टीम मौके पर पहुंची

हादसे की खबर मिलते ही प्रशासन और दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। वहां पर तलाशी अभियान

चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मलबे के नीचे कोई फंसा न हो। बिल्डिंग गिरने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

दूरदर्शन बिल्डिंग का पत्थर गिरा, एक युवक गंभीर

आज दिल्ली के तिलक मार्ग थाना इलाके में स्थित दूरदर्शन बिल्डिंग का पत्थर गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान नीरज कुमार (35) के रूप में हुई है।

अदालत ने दिया सुकेश, 20 अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को शहर की पुलिस के विषय प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज किए गए एक मामले में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और 20 अन्य लोगों के खिलाफ कई मकोका प्रावधानों सहित विभिन्न अपराधों के लिए आरोप तय करने का आदेश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने कहा कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि रिकॉर्ड और मामले के आकलन के आधार पर, आरोपियों ने प्रथम दृष्टया अपराध किए हैं। उन पर उक्त अपराधों का आरोप लगाया जाना चाहिए। अदालत ने सुकेश के खिलाफ लोक सेवक होने का दोग करने, जबजर वसूली, धोखाधड़ी,

आपराधिक धमकी, आपराधिक साजिश रखने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों और मकोका की धाराओं के तहत संगठित अपराध करने और संगठित अपराध गिरोह के सदस्यों की ओर से बेहिसाब संपत्ति रखने के आरोप तय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने सुकेश की पत्नी लीना पॉलोस के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप तय करने का आदेश दिया। 17 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक मामलों और आईटी अधिनियम तथा महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के प्रावधानों के तहत संगठित अपराध करने के आरोप तय किए जाएं।

मध्य प्रदेश आधारित पुष्प ब्रांड ने आईपीओ के लिए आवेदन किया

इंदौर। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती पैकेज्ड मसाला कंपनियों में से एक पुष्प बांड (इंडिया) लिमिटेड ने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। इस इश्यू में सुरेंद्र कुमार सुराना और महेंद्र कुमार सुराना (प्रमोटर सैलिंग शेयरधारक) सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 7,445,000 इक्विटी शेयरों तक की बिंदी का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। साथ ही ए१। इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और सिक्वर्थ सेंस इंडिया ऑर्पॉरुगिटीज ।।।

(इन्वेस्टर सैलिंग शेयरधारक) भी शामिल है। ए१। इमर्जिंग फंड आई एलएलपी ने 2020 में कंपनी में लगभग 125 करोड़ रुपये का निवेश किया। 1974 में मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वर्गीय किशनलाल सुराना द्वारा मेसर्स मुनीमजी एंड संस के रूप में स्थापित यह कंपनी एक पारंपरिक क्षेत्रीय मसालों के व्यवसाय से विकसित होकर पुष्प और मुनीमजी बांडों के तहत संयोजित होने वाले एक बड़े पैकेज्ड मसालों और खाद्य पदार्थों के व्यवसाय के रूप में विकसित हुई है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने शुद्ध मसालों से लेकर मिश्रित मसालों, हींग और संबंद्ध श्रेणियों तक अपना विस्तार किया है।

शब्द पहेली - 6242

1	2		3		4		5	
6					7			8
								9
			10					
11			12			13		14
								15
					16			
		17						18
								19
21								20
								22
					23		24	
25	26		27					28
29					30			

बाएँ से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियाँ हैं-5

4. कराह, टीस, लालसा-3

6. हानि, आपत्ति-2

7. दुश्मनी, बैर-3

8. ईसाफ-2

10. साठवीं जयंती-3

11. जलाऊ लकड़ी-4

14. छोटा भाई-3

16. निरंकुश, आवारा-4

17. ठाठ-बाट-2

18. आफत, मुसीबत-2

19. शैतानी, बदमाशी-4

21. सहायता-3

22. इच्छा, लालसा-4

24. कवि, गजलकार-3

25. जरा, थोड़ा-2

27. मुलायम, नाजुक-3

28. युफा, खोह-2

29. प्रियतम, सनम-3

30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5

2. उत्साह, शक्ति-2

3. बिनाबाल वारा, गंजा-4

4. पंक्ति, लाइन-3

5. लड़की, पुत्री, बेटी-2

7. वहम, संदेह-2

9. जुड़वा-3

12. प्रतिज्ञा, कसम-3

13. गंगा का पानी-4

15. तीखा, तीक्ष्ण-3

16. आतुर, धैर्यहीन-4

17. संभवतः-3

18. मर्कट, कपि-3

20. गोविंदा, खुशबू

की फिल्म-5

21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3

22. मनोकामना-4

23. साजन, प्रेमी-3

24. संध्या, सांझ-2

26. आनंद-2

28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 6241 का हल

प	रा	या	प	न	म	च	ल	ना
स	ग	व	का	ली	न	त	टी	
म	त	क	रा	र	का	ल	की	
ला	चा	र	दे	श	त	न	य	
व	क	ती	पा	ना	गा	क		
न	क	ब	ज	न	बाल	च	ल	न
	हा	मा	च	र	ह	म		
म	र	ना	द	म	क	स	क	
द	श	क	क	रा	ह	ना	या	
दू	ब	ल	बा	वा	रा	या	त्रा	
द	या	क	र	च	ना	का	र	

शब्द पहेली - 6242

1	2		3		4		5	
6					7			8
								9
			10					
11			12			13		14
								15
					16			
		17						18
								19
21								20
								22
					23		24	
25	26		27					28
29					30			

बाएँ से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियाँ हैं-5

4. कराह, टीस, लालसा-3

6. हानि, आपत्ति-2

7. दुश्मनी, बैर-3

8. ईसाफ-2

10. साठवीं जयंती-3

11. जलाऊ लकड़ी-4

14. छोटा भाई-3

16. निरंकुश, आवारा-4

17. ठाठ-बाट-2

18. आफत, मुसीबत-2

19. शैतानी, बदमाशी-4

21. सहायता-3

22. इच्छा, लालसा-4

24. कवि, गजलकार-3

25. जरा, थोड़ा-2

27. मुलायम, नाजुक-3

28. युफा, खोह-2

29. प्रियतम, सनम-3

30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5

2. उत्साह, शक्ति-2

3. बिनाबाल वारा, गंजा-4

4. पंक्ति, लाइन-3

5. लड़की, पुत्री, बेटी-2

7. वहम, संदेह-2

9. जुड़वा-3

12. प्रतिज्ञा, कसम-3

13. गंगा का पानी-4

15. तीखा, तीक्ष्ण-3

16. आतुर, धैर्यहीन-4

17. संभवतः-3

18. मर्कट, कपि-3

20. गोविंदा, खुशबू

की फिल्म-5

21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3

22. मनोकामना-4

23. साजन, प्रेमी-3

24. संध्या, सांझ-2

26. आनंद-2

28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 6241 का हल

प	रा	या	प	न	म	च	ल	ना
स	ग	व	का	ली	न	त	टी	
म	त	क	रा	र	का	ल	की	
ला	चा	र	दे	श	त	न	य	
व	क	ती	पा	ना	गा	क		
न	क	ब	ज	न	बाल	च	ल	न
	हा	मा	च	र	ह	म		
म	र	ना	द	म	क	स	क	
द	श	क	क	रा	ह	ना	या	
दू	ब	ल	बा	वा	रा	या	त्रा	
द	या	क	र	च	ना	का	र	

सोनारपुर में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक पर हमला

कपड़े फाड़े, पत्थर-अंडे फेंके, हेलमेट पहनकर भागे तब ही बच सकी जान

एजेंसी ►►कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने हमला बोल दिया। उग्र भीड़ ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए, अंडे फेंके और मारपीट की। सुरक्षा बलों ने हेलमेट पहनाकर उन्हें सुरक्षित निकाला। अभिषेक बनर्जी ने इसे भाजपा का प्रायोजित हमला बताया और पुलिस की गैरमौजूदगी का आरोप लगाया। चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान पीड़ितों से मिलने अभिषेक पहुंचे थे। ये पूरी घटना सोनारपुर के कमराबाद इलाके की है। टीएमसी सांसद शनिवार शाम को अपनी पार्टी के एक मृतक कार्यकर्ता के घर पहुंचे थे। वे करीब साढ़े चार बजे कमराबाद पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहले से मौजूद थे। इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता। एक तरफ जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है, तो दूसरी तरफ अभिषेक बनर्जी ने अपने लिए 17 घर खड़े कर लिए हैं।

अभिषेक का आरोप- यह भाजपा प्रायोजित हमला था



ये हालत कर दी थी

इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे

अभिषेक ने कहा कि मौके पर कहीं भी पुलिस दिखाई नहीं दे रही थी

अभिषेक ने बाइक से इलाके में घुसने की कोशिश की

भारी विरोध को देखते हुए अभिषेक बनर्जी अपनी कार छोड़कर बाइक से इलाके के अंदर घुसने लगे। तभी प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित के घर से कुछ सौ मीटर पहले ही उन्हें रोक लिया। उनके सामने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान उग्र भीड़ ने सड़क पर दो मोटरसाइकिलें भी फेंक दीं, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि इलाके में पिछले 15 साल से कोई विकास नहीं हुआ है। सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता।

शासक हत्यारे बन गए : ममता तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, शासक हत्यारे बन गए हैं, भाजपा को शर्म आनी चाहिए। कथित हमले का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी आई।

‘फर्जी हस्ताक्षर’ मामला कल सीआईडी अभिषेक से करेगी पूछताछ

शनिवार सुबह ही अभिषेक को पश्चिम बंगाल सीआईडी ने कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में समन भेजा है। उन्हें कल यानी सोमवार दोपहर 12 बजे सीआईडी मुख्यालय भवानी भवन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सीआईडी अधिकारियों ने शनिवार को उनके कालीघाट स्थित आवास पर जाकर नोटिस सौंपा। अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 15 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी। उनके खिलाफ बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है।

जालंधर में आरटीआई एक्टिविस्ट की हत्या



लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के लॉ गेट के पास वारदात

हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर किया डेर

घात लगाकर बैठे थे हमलावर

बोर की पिस्तौल व 123 बोर की बंदूक बरामद हुई है। पुलिस फिलहाल मामला दर्ज कर सिमरनजीत सिंह की हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

लुधियाना में बुजुर्ग दंपति की हत्या

लुधियाना(भाषा)। जनता नगर में शनिवार को एक बुजुर्ग दंपति अपने घर के अंदर मृत पाए गए। पुलिस का मानना है कि ये हत्याएं 24 घंटे से भी अधिक समय पहले हुई थीं। पुलिस ने बताया कि मृतक 70 वर्षीय कुलदीप सिंह, जो पहले एक मट्ठी का के मालिक थे और उनकी 69 वर्षीय पत्नी हरमीत कौर इस मकान में रहते थे। उनके इकलौते बेटे की 2006 में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, और उनकी चार बेटियां विदेश में रहती हैं। पुलिस के अनुसार, रिश्तेदारों ने दुग्ध आने और मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाए जाने के बाद पीछे का दरवाजा तोड़ा। दोनों शवों पर सिर और चेहरे पर कई चोटें थीं।

पंजाब में गुप सी और डी की नौकरियों में ठेकेदारी खत्म



65 हजार कर्मियों को मिलेगा लाभ

कच्चे कर्मचारियों को सरकारी अनुबंध पर लाकर नियमित करेंगे

पंजाब मंत्रिमंडल ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि हम पंजाब से संविदा प्रणाली को समाप्त करेंगे। मान ने बताया कि इससे 51 विभागों में कार्यरत कुल 65,048 आउटसोर्स कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि "जब हम लोगों से मिलने जाते थे तो संविदा और आउटसोर्सिंग प्रणाली के तहत भर्ती कर्मचारियों से अक्सर शिकायतें सुनने को मिलती थीं।

पुणे जहरीली शराब मामला: गोदाम से 5,929 किलोग्राम मेथनॉल जब्त

ठाणे। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने ठाणे जिले के उस गोदाम से 5,929 किलोग्राम विषाक्त मेथनॉल जब्त किया है जहां से पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध जहरीली शराब की आपूर्ति करने वाले अवैध शराब कारोबारियों को इस रसायन की कथित तौर पर आपूर्ति की गई थी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध नकली शराब पीने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई।

मणिपुर में 14 नागरिकों की रिहाई के लिए कुकी समूहों ने किया प्रदर्शन

इंफाल (भाषा)। नागरिक संस्थाओं ने शनिवार को राज्य के कुकी-जो आबादी वाले क्षेत्रों में विरोध रैलियां निकालीं। रैली के दौरान कथित तौर पर बंधक बनाए गए समुदाय के 14 सदस्यों की रिहाई और हाल में हुए हमले में मारे गए चर्च के तीन पदाधिकारियों के लिए व्याय की मांग की गई। चूड़ाचंदपुर जिले में, 'इंडिजीनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) के तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने हिंसा के खिलाफ नारे लगाए और हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने अपहरण किए गए 14 कुकी नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर भारत कब तक चुप रहेगा, किसी भी नागरिक को भय में नहीं जीना चाहिए।

जम्मू कश्मीर में तस्करी से जुड़ी दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में मादक पदार्थ की तस्करी से प्राप्त धन से कथित तौर पर हासिल की गई लगभग दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने वर्तमान में जारी नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत नशीले पदार्थ से संबंधित गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की कई अचल संपत्ति को जब्त किया है। पहले मामले में बेमिना थाना ने कथित मादक पदार्थ तस्करी मुदासिर अहमद पीर उर्फ साहिल उर्फ डोगे से संबंधित लगभग 1.5 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त की है। डोगे यहां बेमिना की फिरदौस कॉलोनी का निवासी है। एनडीपीएस के तहत वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत सख्त प्राधिकारी से पुष्टि प्राप्त करने के बाद कुर्की को यह कार्रवाई की गई थी।

टिवशा को फंदे से कैसे उतारा, होगा रिक्रिएशन

हरिभूमि न्यूज ►►गोपाल

अभिनेत्री टिवशा शर्मा की मौत के मामले में अब सीबीआई ने उनकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूछताछ के लिए सीबीआई ने 50 से ज्यादा सवाल तैयार किए हैं। सप्लीमेंट्री सवाल अलग हैं। सीबीआई अफसरों ने गिरिबाला से सवाल किया कि आप जज रही हैं, कानून जानती हैं। जब आपकी कोई गलती नहीं थी तो आपने एफआईआर से पहले ही अग्रिम जमानत की अर्जी क्यों लगाई? बेटे समर्थ को फरार होने के लिए क्यों कहा? इन पर गिरिबाला पहले चुप रहीं। बाद में उन्होंने माना कि यह गलती थी। उन्हें अंदाजा नहीं था कि इससे उन पर ही संदेह और मजबूत हो जाएगा। समर्थ ने कहा कि उसने ही टिवशा को फंदे से उतारा था, जबकि मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी। अब सीबीआई दोनों को घर ले जाकर पूरे घटनाक्रम का रिक्रिएशन करेगी।

सीबीआई ने किए कई सवाल गिरिबाला बोली-गलती हुई



सीबीआई टीम बयानों को क्रॉस चेक करेगी

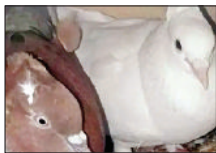
सीबीआई पहले ही रिटायर्ड जज के घर का मुआयना कर चुकी है और दोनों के शुरुआती बयान भी दर्ज कर चुकी है। अब उन बयानों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर क्रॉस चेक और वेरिफिकेशन करेगी। शुरुआत में दोनों से अलग-अलग पूछताछ होगी। इसके बाद जिन सवालों के जवाबों में विरोधाभास मिलेगा, उन्हें आमने-सामने बैठकर पूछताछ की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में अनोखी चोरी

विदेशी नस्ल के 14 कबूतर व उनके अंडे भी ले उड़े चोर



खरीदने के बहाने उनके घर आए थे



रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक एक अनोखी चोरी का मामला सामने आया है। यहां चोरों एक घर से महंगे और विदेशी नस्ल के 14 कबूतरों को ले उड़े। चोरी हुए कबूतरों में कुछ अंडे भी शामिल बताए गए हैं। कबूतर मालिक ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। चोरों ने यह वारदात रात को अंजाम दी। मिली जानकारी के मुताबिक, मौदहापारा में रहने वाले शेष अंसार (43) अपने घर में मस्कली और पंजाबी नस्ल के कबूतर पाले हुए थे। करीब 2 साल पहले उनके बेटे इन्हें रायगढ़ के अलग-अलग जगह से लाए थे, तब से ये कबूतर घर में ही रखे गए थे। शेष अंसार ने थाने में कबूतर चोरी की लिखित शिकायत दी है।

शेष अंसार ने बताया कि 24 मई को कुछ लड़के कबूतर खरीदने के बहाने उनके घर आए थे। उन्होंने कबूतर बेचने से मना कर दिया, लेकिन वही लड़के शाम को फिर वापस आए और कबूतरों को कैसे रखा जाता है, यह देखते रहे। इलाके में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि आमतौर पर चोरों के मामलों में नकदी और सामान निशाने पर रहते हैं, लेकिन इस बार चोर महंगी नस्ल के कबूतर लेकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत दर्ज की है।

मातेश्वरी देवी

अहिल्याबाई होल्कर

की जयंती पर उन्हें

शत-शत नमन

31 मई, 2026

“मंदिरों के जीर्णोद्धार से लेकर अपने शासन में जनता की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने तक, देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन का एक-एक अध्याय प्रेरक है।”

- नरेन्द्र मोदी



सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा



www.prharyana.gov.in | Follow us on

@diprharyana

अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है। यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से मयानक सूखा आता है। स्वामाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी इनमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई हैं। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पृष्ठ में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई हैं। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे।

पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उसे सामने लाते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अविश्वासवादियों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्माण्ड के नियंत्रण के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल



खास बातें

- अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही
- 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया में तबाही मचाई, लेकिन भारत में ज्यादा बारिश हुई
- 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद देश में सूखा पड़ गया था
- 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई

नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भयंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना

कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबर्दस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

कई बार विफल रहीं भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भयंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार सशक्त अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर हुई। 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया भर में तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर दिश्वृ या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर गर्म और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत

में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुईं। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूर्व में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

ड्रिप और सिप्रंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी



उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साथी भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अमी-भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही ध्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीकों को अपनाया जाए, जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में मूजल का पुनर्मरण यानी रिचार्ज कम

अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह मूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण मूजल का पुनर्मरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे मूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही मूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षा पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय

जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए मूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्र्यूबल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों की तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आम तौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पथरों या अन्य प्रकार के मृ-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं।

रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और सिप्रंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान



व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महीने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। ड्रिप

और सिप्रंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है। खेतों में वर्षा जल संचयन, चेक डैम और फार्म पॉन्ड बनाकर पानी को रोकना और भूजल बढ़ाना चाहिए। अल नीनो सूखे का सबसे बड़ा कारण बनता है। इसलिए जल प्रबंधन को लेकर अब गंभीर कदम उठाने पड़ेंगे। नदियों के पूरे क्षेत्र में पानी का बेहतर प्रबंधन, भूजल का संरक्षण और गंदे पानी का दोबारा इस्तेमाल जरूरी है। शहरों में वर्षा जल संचयन को कानून से अनिवार्य बनाना चाहिए। वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़

अनाज भंडारण तैयार रखना चाहिए। सरकार को लंबी अवधि की नीतियां बनानी होंगी। कृषि, जल संसाधन और विज्ञान मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) जैसे मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए।विकसित देशों से बेहतर तकनीक और फंडिंग भी लानी होगी। छोटे किसानों को सक्सिडी, सस्ता कर्ज और प्रशिक्षण देना जरूरी है। मनरेगा को जल संरक्षण के कामों से जोड़ें। महिलाओं और आदिवासी समुदायों को



किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और सिप्रंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में सूखा प्रबंधन योजना, फसल बीमा और आपात

खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जानें लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार



उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिटपुट बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि सक्षम पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका पानी

अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है। फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षों की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़



मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

सकती है या कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई

बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। इससे सरकारों,



कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

